रणजीत टाइम्स

वर्ष : 1, अंक: 113 इंदौर, शनिवार 26 अप्रैल 2025

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

DIGITAL EDITION

कुछ देर के लिए लगा कि

हम पाकिस्तान में है ?

क्योंकि एक भीड़ हमें भगवान राम के दर्शन से रोक रही थी

पता है क्यूं? क्योंकि हम दलित हैं

और इससे बड़ा आश्चर्य यह है कि हमें राम दर्शन से रोकने वाले हमारे अपने ही हिन्दू समाज के तथाकथित दबंग लोग थे

हुआ न आश्चर्य...

आदित्य शर्मा

इंदौर। एक तरफ तो पहलगाम में हिन्दू होने पर गोली मार दी जाती है वहीं दूसरी ओर हम दलित हिन्दुओं को राम मंदिर में जाने पर पुलिस के सामने गांव के तथाकथित दबंगों द्वारा बेइज्जत और जलील किया जाता है, ऐसी सामंतवादी घृणित मानसिकता के लोग हमारे धार जिले के ग्राम सकतली में पाए जाते हैं। यहां पर वर्षों से चली आ रही कूपरंपरा अर्थात दलितों का मन्दिर प्रवेश निषेध है l पहली बार किसी दलित दूल्हे ने भगवान श्री राम के दर्शन करने की इच्छा जाहिर की थी l यही उसका सबसे बड़ा गुनाह हो गया और राम दर्शन से पूर्व ही उस दलित परिवार का सामाजिक बहिष्कार हो गया उसका गुनाह केवल इतना भर था कि उसने भगवान श्री राम के दर्शन की इच्छा जताई....

भगवान राम के दर्शन हेतु दलित दूल्हे ने धार कलेक्टर धार sp स्थानीय पुलिस अधिकारियों से मदद मांगी थी, परन्तु दबंगों ने साफ तौर पर मना कर दिया कि दलित दुल्हा मन्दिर प्रवेश नहीं कर सकता l दलित परिवार RSS और बजरंग दल के पदाधिकारियों से भी मदद मांगी, उनका काफी सहयोग और प्रयास रहा कि दलित दुल्हा मन्दिर में प्रवेश कर भगवान श्री राम के दर्शन कर ले.... परन्तु गांव के तथाकथित दबंग मूर्खों को समरसता और हिंदुत्व की बातें समझ से परे थी।

मैं बात कर रहा हूं...

धार जिले की बदनावर तहसील के ग्राम सकतली की यहां आज दलित समाज के दूल्हे संजय चौहान पिता मुन्नालाल चौहान की बनौली निकलना थी। भारी पुलिस बल सुरक्षा के बीच दलित की बारात तो निकली परंतु दूल्हे के परिजनों रिश्तेदारों को मन्दिर प्रवेश से रोक दिया गया और पुलिस के सामने गांव के दबंग लोग खून खराबे पर उतारू हो गए। पुलिस भी उनके सामने असहाय नजर आ रही थी l संघ और बजरंग दल के कार्यकर्ता बीच बचाव कर समझाने की कोशिश कर रहे थे l परन्तु वो कहां समझने वाले थे l उनके मन में तो राम दर्शन दलित के लिए सबसे बड़ा पाप है इसलिए उन्होंने दलित परिजनों रिश्तेदारों

को मन्दिर प्रवेश नहीं करने दिया और पुलिस भी मूकदर्शक बनी रही l संघ कार्यकर्ताओं के प्रयास से केवल दलित दूल्हे और मुझे (मनोज परमार) मन्दिर प्रवेश मिल पाया l

परंतु निराश और हताश मन से पहली बार मैंने भगवान का दर्शन पुजन किया ll हमारे दूल्हे ने तो जब से पैदा हुआ तब से मन्दिर प्रवेश ही नहीं किया था परन्तु आज २५ वर्षों बाद काफी जद्दोजहद के बाद दलित दूल्हे ने मन्दिर प्रवेश किया और दुःखी मन से कहा कि में हिंदू हूं मेरा परिवार हिन्दू है और मुझे ही मन्दिर प्रवेश नहीं करने दे रहे l इस पुनीत पावन कार्य में मुख्य रूप से चिंटू जी मालवीय,विकास जी पथरोड, सुनीता जी ठाकुर,विमला भंडारी, अंकिता पंवार, नर्मदा गुर्जर,लता वर्मा,शिवानी तंवर, रेखा वर्मा,मनोज जी परमार, ऋषित मालवीय, प्रशांत चौहान,लक्ष्मण खेड़े,लखन जाधव,युवराज जाधव,सुनील परमार, रवि आर्य,दिनेश हिरवे, गणेश राव, गोलू चौधरी,बलराज भालसे, मनोज पगारे, सोनू चौहान, रवि यादव, सचिन पाटिल, गोलू राठौर, मोहित मेहता, लखन देपाले, गोलू मालवीय, बबलू डावर,दिनेश मालवीय,शुभम वास्केल, संदीप रायकवार, अमित सावन, विशाल सारवान, रितेश परमार,अनिरुद्ध, धर्मेंद्र गुर्जर,चंद्रप्रकाश राठौर, विक्की सिंधिया,पवन भावसार, दिनेश कुलपारे,अर्पण कुसुमाकर, राज परमार, सुरेश भदौरिया,दादू ठाकुर सहित सैकड़ों की संख्या में समाजजन और परिवार के लोग उपस्थित हुए भगवान इन्हें सदबुद्धि प्रदान करें ll

इंदौरः शराब दुकानों के आसपास शराब सेवन पर आबकारी विभाग की ताबड़तोड़ कार्रवाई, 13 प्रकरण दर्ज

इंदौर। कलेक्टर श्री आशीष सिंह एवं सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी के निर्देश पर आज इंदौर में आबकारी विभाग द्वारा मदिरा दुकानों के आसपास शराब पीने वालों और गुमटी संचालकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की गई। कंट्रोलर श्री देवेश चतुर्वेदी के नेतृत्व में गठित संयुक्त टीम ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों—जवाहर मार्ग, नार्थ टोडा, पलसीकर, महूनाका, केशरबाग, बिजलपुर, राऊ और राजेंद्र नगर—में संचालित शराब दुकानों के आसपास कार्रवाई की। इस दौरान जहां-जहां लोग खुले में खड़े होकर शराब पीते पाए गए, वहां उपस्थित गुमटियों और ठेलों के संचालकों के खिलाफ मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34 के अंतर्गत कुल 13 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए। संयुक्त कार्रवाई में वृत छावनी, मालवा मिल, आंतरिक क्षेत्र क्र. 2 एवं राजमोहल्ला के उपनिरीक्षक—श्री कमलेश सोलंकी, श्री महेश पटेल, श्रीमती प्रियंका शर्मा, श्री मनमोहन शर्मा—तथा उनके स्टाफ की सक्रिय भागीदारी रही। विशेष रूप से केशरबाग पुल के नीचे भी संयुक्त कार्रवाई कर अवैध शराब सेवन पर अंकुश लगाने का प्रयास किया गया। आबकारी विभाग ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में भी ऐसी कार्रवाइयाँ लगातार जारी रहेंगी, ताकि सार्वजनिक स्थलों पर शराब सेवन की प्रवृत्ति पर पूर्ण रूप से नियंत्रण पाया जा सके।

लोहार समाज बस्ती

पानी की समस्या को लेकर पार्षद पति महेश जोशी ने किया निरीक्षण, व तुरंत समाधान भी किया

इंदौर। रोबोट चौराहा के पास स्थित लोहार समाज की बस्ती के रहवासी लंबे समय से पेयजल संकट से जूझ रहे हैं। इस गंभीर समस्या को देखते हुए वार्ड क्रमांक 37 की पार्षद के पति एवं जोन क्रमांक 8 के अध्यक्ष श्री महेश जोशी ने हाल ही में बस्ती का दौरा कर स्थिति का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान श्री जोशी ने जल आपूर्ति से संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि पानी की समस्या का शीघ्र निराकरण किया जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके। उन्होंने बस्तीवासियों को भरोसा दिलाया कि वे उनकी हर समस्या में उनके साथ खड़े हैं और उनके जरूरी दस्तावेज बनवाने में भी हर संभव सहायता प्रदान करेंगे। बस्ती में श्री जोशी की इस पहल को लोगों ने सकारात्मक रूप में लिया है और उनके प्रयासों की सराहना की है। यह पहल न सिर्फ पानी की समस्या के समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि बस्ती के निवासियों के प्रति जिम्मेदारी और संवेदनशीलता का परिचायक भी है।

रणजीत टाइम्स
इंदौर शनिवार 26 अप्रैल 2025
03
DIGITAL EDITION

गृहमंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्रियों से कहा -

पाक नागरिकों को वापस भेजें

● बैसरन घाटी पहुंचे आर्मी चीफ ● त्राल-अनंतनाग में 2 लश्कर आतंकियों के घर ब्लास्ट में ढहे

नई दिल्ली। गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार दोपहर सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ मीटिंग की। उन्होंने मुख्यमंत्रियों से अपील की कि वे अपने-अपने राज्यों में पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान करें और उन्हें वापस भेजें। इस बीच आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी श्रीनगर पहुंचे, यहां उन्होंने एलजी मनोज सिन्हा से मुलाकात की। इसके बाद जनरल द्विवेदी बैसरन घाटी पहुंचे हैं, जहां 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने हमला किया था।

हमले के 3 दिन बाद सेना ने बड़ा एक्शन लिया। जम्मू-कश्मीर के त्राल और अनंतनाग के बिजबेहरा में 2 लश्कर आतंकियों के यहां सर्च ऑपरेशन चलाया। ऑपरेशन के दौरान दोनों के घरों में रखा एक्सप्लोसिव ब्लास्ट हो गया। धमाके में आसिफ शेख और आदिल ठोकेर के घर पूरी तरह तबाह हो गए।

इधर, बांदीपोरा में सर्च ऑपरेशन के दौरान शुरू हुए एनकांटर में सुरक्षा बलों ने एक आतंकवादी को

मार गिराया है। 2 जवान भी घायल हैं। पहलगाम की बैसरन घाटी में 22 अप्रैल की दोपहर आतंकवादियों ने पर्यटकों पर फायरिंग की थी। हमले में 26 टूरिस्ट मारे गए थे। 10 से ज्यादा घायल हैं। पहलगाम हमले के तनाव के चलते जम्मू में भारत-पाकिस्तान सीमा सिविलियंस के देखने के लिए बंद कर दी गई है। बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) ने सुचेतगढ़ की ओकत्रोई पोस्ट पर सिविलियन मूवमेंट फिलहाल रोक दिया है। सिविलियंस यहां (जीरो लाइन, इंटरनेशनल बॉर्डर) एक्टिविटी देखने पहुंचते हैं। अनंतनाग पुलिस ने बताया कि पहलगाम हमले के बाद अनंतनाग में बड़ा सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। सिक्योरिटी फोर्सेस दक्षिण कश्मीर में संदिग्ध आतंकी मददगारों की पहचान में जुटी हैं। शांति-सुरक्षा कायम रखने में लोगों का सहयोग अहम रोल निभाएगा। सीमा सुरक्षा बल के डायरेक्टर जनरल दलजीत चौधरी ने केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन से नॉर्थ ब्लॉक में मुलाकात की। असल में एक बीएसएफ सैनिक बुधवार को गलती से पंजाब के फिरोजपुर के पास अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर गया था, जिसे पाकिस्तानी रेंजर्स ने पकड़ लिया था। बीएसएफ का सैनिक किसानों को सुरक्षा दे रहा था। पहलगाम हमले में शामिल बताए जा रहे आतंकी की बहन ने सुरक्षाबलों पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

अविमुक्तेश्वरानंद बोले-

पीएम मोदी पहले आस्तीन के सांप बाहर निकालें

● मुरैना में कहा- पहलगाम पाकिस्तान बॉर्डर से बहुत दूर, फिर कैसे आतंकी आकर चले भी गए

मुरैना (एजेंसी)। पीएम मोदी को सबसे पहले भितरघाती आस्तीन के सांपों को बाहर निकालना होगा। इसके बाद दूसरा कदम बढ़ाना होगा।

आज हिंदू सुरक्षित नहीं है, हिंदूओं को अपनी सुरक्षा स्वयं करनी होगी।ये बात जगदुरु शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज ने शुक्रवार को मुरैना में कही। वे यहां अल्प प्रवास पर आए थे। शंकराचार्य सिवनी के मातृधाम में माता गिरिजा देवी श्रीविग्रह अनावरण समारोह में शामिल होकर हरिद्वार लौट रहे थे। इसी दौरान वे मुरैना पहुंचे। जौरा विधायक पंकज उपाध्याय, जिलाध्यक्ष दीपक शर्मा और ग्रामीण जिला अध्यक्ष मधुराज सिंह तोमर ने उनका स्वागत करने पहुंचे।

शासकीय गेस्ट हाउस में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर कहा, पहलगाम में हुए आतंकी हमले वाली जगह पाकिस्तान बॉर्डर से बहुत दूर है। फिर आंतकवादी अंदर कैसे घुस आए और पर्यटकों को मारकर वापस सुरक्षित चले भी गए। इसमें हमारे सुरक्षा में तैनात भीतरघातियों का हाथ है, उनके बिना यह संभव नहीं।

'हम 30 साल से ये डर्टी काम करते आ रहे'

● आतंकवाद पर पाक रक्षा मंत्री का बेशर्म कुबूलनामा

नई दिल्ली। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने स्वीकार किया कि लश्कर ए तैयबा के अतीत में पाकिस्तान के साथ कुछ लिंक मिले हैं। हालांकि उन्होंने कहा कि अब ये आतंकी संगठन खत्म हो चुका है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के साथ लश्कर का लिंक मिलने का ये मतलब नहीं है कि हम इसको मदद करते हैं। लेकिन उन्होंने बेहद बेशर्मी से इस बात को कुबूला कि पाकिस्तान 30 साल से ये गंदा काम करता आ रहा है।

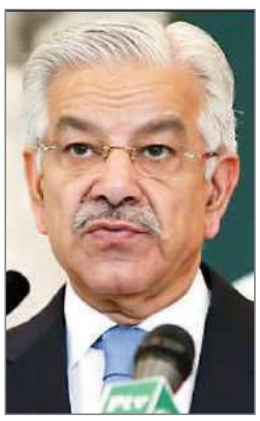

पहलगाम में आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक हैरान करने वाला इकबालिया बयान दिया है। ब्रिटेन स्काई न्यूज के साथ बातचीत के दौरान ख्वाजा आसिफ ने माना है कि पाकिस्तान का आतंकवाद को सपोर्ट करने और टेरर फंडिंग करने का लंबा इतिहास रहा है। स्काई न्यूज के साथ बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि हम लोग 30 साल से इस गंदे काम को अमेरिका के लिए करते आ रहे हैं।

भारत के साथ ऑल आउट वार की बात करने वाले ख्वाजा आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान में लश्कर ए तैयबा खत्म हो चुका है। ख्वाजा आसिफ ने स्वीकार किया कि लश्कर ए तैयबा का अतीत में पाकिस्तान के साथ कुछ लिंक मिले हैं। हालांकि उन्होंने कहा कि अब ये आतंकी संगठन खत्म हो चुका है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के साथ लश्कर का लिंक मिलने का ये मतलब नहीं है कि हम इसको मदद करते हैं।

'आतंकी संगठनों को धन देने का इतिहास रहा'

वायरल हो रहे एक वीडियो क्लिप में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री स्काई न्यूज के यल्दा हकीम से बातचीत कर रहे हैं, जब वह उनसे पूछती हैं, 'आप मानते हैं, सर, कि पाकिस्तान का इन आतंकी संगठनों को समर्थन देने, प्रशिक्षण देने और धन मुहैया कराने का लंबा इतिहास रहा है? ख्वाजा आसिफ ने अपने जवाब में कहा, हम करीब 3 दशकों से अमेरिका के लिए यह गंदा काम कर रहे हैं।'

ऑल आउट वार पर की बात- भारत के साथ ऑल आउट वार की बात करने वाले ख्वाजा आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान में लश्कर ए तैयबा खत्म हो चुका है। ख्वाजा आसिफ ने स्वीकार किया कि लश्कर ए तैयबा का अतीत में पाकिस्तान के साथ कुछ लिंक मिले हैं। हालांकि उन्होंने कहा कि अब ये आतंकी संगठन खत्म हो चुका है।उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के साथ लश्कर का लिंक मिलने का ये मतलब नहीं है कि हम इसको मदद करते हैं।

विक्रम उद्योगपुरी को मेगा इन्वेस्टमेंट जोन के रूप में विकसित करें : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

● सीएम ने एमपीएसआईडीसी के संचालक मंडल की बैठक में दिए निर्देश

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि विक्रम उद्योगपुरी को मेगा इन्वेस्टमेंट जोन के रूप में विकसित करने की संभावनाओं पर विचार किया जाए। उज्जैन में आईटी पार्क के द्वितीय चरण का कार्य समय सीमा निर्धारित कर पीपीपी मोड पर तत्काल आरंभ किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमपीएसआईडीसी) के संचालक मंडल की बैठक में

निर्देश दिये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने औद्योगिक कम्पनियों को दीर्घकालीन, अल्पकालीन ऋण, पूंजीगत सब्सिडी आदि के रूप में दी जाने वाली वित्तीय सहायता के संबंध में जानकारी प्राप्त करते हुए ऋणों की वसूली की स्थिति की जानकारी प्राप्त की।

समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में हुई बैठक में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन श्री राघवेन्द्र सिंह तथा अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

कॉमेडियन कामरा की नहीं होगी गिरफ्तारी

● शिंदे को 'गद्दार' बताने वाले कमेंट पर कुणाल कामरा को राहत

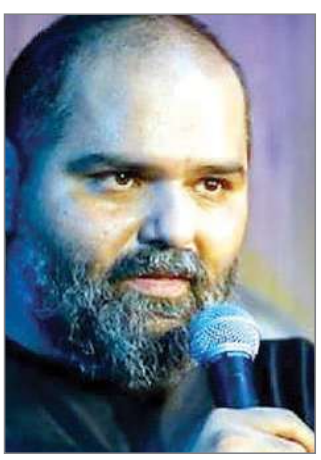

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा को उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर 'गद्दार' टिप्पणी के लिए दर्ज एफआईआर में गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है और याचिका स्वीकार कर ली है। हालांकि, कोर्ट ने जांच पर रोक नहीं लगाई है। कामरा ने शिंदे पर 'गद्दार' टिप्पणी एक शो में की थी जिसके बाद एफआईआर दर्ज हुई थी। स्टैंडअप कॉमेडियन कुणाल कामरा को बॉम्बे हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने शुक्रवार को कामरा को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर की गई 'गद्दार' टिप्पणी के लिए मुंबई पुलिस की तरफ से उनके खिलाफ दर्ज की गई एफआईआर में गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही केस रद्द करने वाली याचिका को भी स्वीकार कर लिया है। हालांकि कोर्ट ने जांच पर रोक लगाने से साफ इंकार कर दिया है।

क्या है पूरा मामला?

कुणाल कामरा ने पिछले महीने मुंबई के हैबिटेट स्टूडियो में एक शो के दौरान महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का नाम लिए बगैर उन्हें 'गद्दार' बताया था, जिसके बाद भारी बवाल देखने को मिला था। यहां तक जिस स्टूडियो में शूटिंग हुई थी वहां भी तोड़फोड़ की गई थी। मामला बढ़ता देख पुलिस ने इस मामले कुणाल कामरा के खिलाफ केस दर्ज किया था। इसी के खिलाफ कामरा ने बॉम्बे हाई कोर्ट का रुख किया था। पूरे मामले में कामरा ने साफ कर दिया था कि वे किसी भी कीमत पर माफी नहीं मांगेंगे।

आध्यात्म का वैज्ञानिक स्वरूप है चक्रों नाड़ियों व कुंडलिनी शक्ति का ज्ञान

सहज योग प्रणेता परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी के अनुसार विश्व में मनुष्य से श्रेष्ठ कोई और प्राणी नहीं। क्योंकि उसी में परम चेतना को उभारने वाली विद्या कार्यरत हो सकती है और इसी विद्या को अध्यात्म कहते हैं। वस्तुतः अध्यात्म का लक्ष्य है- मनुष्य के अंदर छिपी शक्तियों और सत्प्रवृत्तियों को मनोवैज्ञानिक पद्धति से इतना आगे बढ़ाना कि व्यक्ति को ईश्वर की अनुभूति हो सके और व्यक्ति के जीवन में देवत्व छलकने लगे।

दूसरी तरफ विज्ञान का लक्ष्य है प्रकृति तथा पदार्थ में छिपी शक्तियों की जानकारी प्राप्त करना, जिससे मनुष्य के जीवन में कोई भौतिक कष्ट न रहे और वह सुख-सुविधा युक्त जीवन जी सके।

सापेक्षता सिद्धांत के जन्मदाता अल्बर्ट आइंसटीन के अनुसार, 'इस संसार में ज्ञान और विश्वास दो वस्तुएं हैं। ज्ञान को विज्ञान व विश्वास को धर्म कहेंगे। मैं ईश्वर को मानता हूं, क्योंकि इस सृष्टि के अद्भुत रहस्यों में ईश्वरीय शक्ति ही दिखाई देती है। अब विज्ञान भी इस बात का समर्थन कर रहा है कि संपूर्ण सृष्टि का नियमन एक अदृश्य चेतना कर रही है।'

चिकित्सा की शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्र जानते हैं कि यह शरीर विभिन्न अंगो व हड्डियों से मिलकर बना है। अनुसंधान व शिक्षण द्वारा विस्तार से स्थूल शरीर के बारे में शिक्षा प्राप्त की जाती है। ऐसे ही आत्मसाक्षात्कारी योगी जानता है कि स्थूल शरीर के अंदर एक सूक्ष्म शरीर है और हमारी नाड़ियों और चक्रों से मिलकर यह सूक्ष्म शरीर बनता है। और यह भी कि इन्हीं नाड़ियों और चक्रों में देवी देवताओं का वास है। यही सूक्ष्म शरीर आत्मा की व्यवस्था का तंत्र है जिससे परमात्मा प्रतिबिंबित होते हैं और यही सृष्टि का सर्वोच्च आविर्भूत सत्य है। सहज योग इसी सूक्ष्म शरीर के माध्यम से ईश्वर से एकाकारिता स्थापित करने की प्रक्रिया से हमें अवगत कराता है और ध्यान साधना के माध्यम से हमें परमात्मा का अंग प्रत्यंग बनने का सुख प्रदान करता है।

सहज योग पूर्णतया निशुल्क है। अपने आत्म साक्षात्कार को प्राप्त करने हेतु अपने नज़दीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से प्राप्त कर सकते हैं या वेबसाइट sahajayoga.org.in पर देख सकते हैं।

पीएम मोदी बोले- इस्पात जैसा सुदृढ़ भारत बनाएं

उत्पादन बढ़ाएं; नवाचार अपनाएं

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्टील उद्योग के प्रतिनिधियों से कहा कि मजबूत, हितकारी बदलावों को तेजी से आगे बढ़ाने वाला और इस्पात जैसा सुदृढ़ भारत बनाने के लिए साथ मिलकर काम करें। उद्योग को भविष्य के लिए तैयार करने के साथ हमें नई तकनीकी को अपनाने, नवाचार करने, सर्वोत्तम गतिविधियों का आदान-प्रदान करने और कोयला आयात में कमी लाने की दिशा में ध्यान देना चाहिए। पीएम ने बृहस्पतिवार को इंडिया इस्पात 2025 कार्यक्रम को ऑनलाइन संबोधित करते हुए कहा, इस्पात उभरता हुआ क्षेत्र होने के साथ विकास की रीढ़ है। 2030 तक 30 करोड़ टन का लक्ष्य हासिल करने के लिए हमें इस्पात उत्पादन बढ़ाने की आवश्यकता है। 2023-24 में देश की इस्पात उत्पादन क्षमता 17.9 करोड़ थी। प्रधानमंत्री ने संबोधन में यह भी कहा, इस्पात उत्पादन बढ़ाने के लिए अप्रयुक्त नई खदानों से लौह अयस्क निकालने का प्रयास शुरू करना चाहिए। इन खदानों का उचित और समय पर उपयोग किया जाना महत्वपूर्ण है। ऐसा नहीं होने पर देश और उद्योग दोनों को नुकसान होगा।

शून्य आयात व निर्यात बढ़ाने का हो लक्ष्य

पीएम ने कहा, देश निर्यात बाजार पर नजर रखते हुए आधुनिक व बड़े जहाज बनाने की महत्वाकांक्षा रखता है। ऐसे कार्यों के लिए उच्च श्रेणी के इस्पात की जरूरत होगी। उन्होंने कहा, इस्पात के मामले में आयात को शून्य स्तर पर लाने व शुद्ध निर्यात बढ़ाने का लक्ष्य होना चाहिए। देश को कोयला गैसीकरण व कोयला आयात को कम करने के लिए अपने भंडार के बेहतर उपयोग जैसे विकल्पों की भी तलाश करनी चाहिए। देश का लक्ष्य 2047 तक इस्पात निर्यात को 2.5 करोड़ टन से बढ़ाकर 50 करोड़ टन करना है। 2030 तक प्रति व्यक्ति इस्पात खपत 98 किलो से बढ़ाकर 160 किलो करने का लक्ष्य है।

इन्फ्रा के विकास से बढ़ेगी इस्पात की मांग- पीएम ने कहा, देश 1,300 अरब डॉलर की राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन को भी आगे बढ़ा रहा है। बड़े पैमाने पर स्मार्ट सिटी बनाए जा रहे हैं।?सड़कों, रेलवे, एयरपोर्ट, बंदरगाहों और पाइपलाइन में विकास की गति इस्पात क्षेत्र के लिए नए अवसर पैदा कर रही है। बड़ी परियोजनाओं की बढ़ती संख्या इस्पात की मांग को बढ़ाएगी।

वैश्विक नेतृत्व की दिशा में बढ़ रहा भारत- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, भारत न सिर्फ घरेलू वृद्धि के बारे में, बल्कि इस क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व के बारे में भी सोच रहा है।

दुनिया भारत को उच्च गुणवत्ता वाले इस्पात के एक विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता के रूप में देखती है। देश में बुनियादी ढांचे को बढ़ा रही सरकार अपने अनुबंधों में स्थानीय रूप से विनिर्मित इस्पात के उपयोग पर जोर दे रही है।

क्षेत्र में रोजगार देने की क्षमता- मोदी ने कहा, इस्पात क्षेत्र अर्थव्यवस्था के लिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसमें युवाओं को रोजगार देने की क्षमता है। हमें ऊर्जा दक्षता, कम उत्सर्जन और डिजिटल रूप से उन्नत प्रौद्योगिकियों की ओर तेजी से आगे बढ़ने की जरूरत है।

लू का अलर्ट
बारिश की संभावना

मध्य प्रदेश इस समय भीषण गर्मी की चपेट में है। कई शहरों का तापमान 44 डिग्री से ज्यादा दर्ज किया जा रहा है। शुक्रवार को प्रदेश के 15 से ज्यादा जिलों में लू का असर रहा। प्रदेश में दूसरे दिन सबसे ज्यादा गर्म खजुराहों रहा यहां का अधिकत तापमान 44.6 डिग्री दर्ज किया गया। इसी प्रकार शिवपुरी का पारा 44 रहा। प्रदेश के अधिकत शहरों का पारा 40 से ऊपर दर्ज किया गया। वहीं मौसम विभाग ने 26 और 27 अप्रैल को छिंदवाड़ा, मंडला, बालाघाट और सिवनी जिलों में बादल छाने, गरज-चमक और हल्की बारिश या बूंदाबांदी होने की संभावना

जताई गई है। बारिश और तेज गर्मी का दौर रहेगा सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि अगले चार दिन तक प्रदेश में कहीं तेज लू का असर रहेगा तो कहीं हल्की बारिश और गरज-चमक की स्थिति बन सकती है। इसके बाद पूरे प्रदेश में गर्मी का असर रहेगा। वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) और ट्रफ की वजह से मौसम बदलेगा।

पोस्टर वार, 56 दुकान पर लगे आपत्तिजनक पोस्टर, कांग्रेस ने राफेल विमान के जरिए की पाकिस्तान पर कार्रवाई की मांग

इंदौर। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद जनभावनाएं उफान पर हैं। इसी के चलते शहर की सबसे प्रसिद्ध खानपान की जगह, 56 दुकान पर एक विवादास्पद पोस्टर ने सबका ध्यान खींचा है। इस पोस्टर में स्पष्ट शब्दों में लिखा गया है, सूअरों और पाकिस्तानी नागरिकों का प्रवेश निषिद्ध है। यह पोस्टर सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है और मौके पर आने वाले लोग इसके साथ सेल्फी लेते नजर आ रहे हैं। वहीं कुछ व्यापारी खुले तौर पर इसका समर्थन करते हुए इसे भावनाओं की अभिव्यक्ति बता रहे हैं। पोस्टर में पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल आसिफ मुनीर की तस्वीर लगाकर उन्हें %सूअर% बताया गया है, जिससे मामला और भी गरमा गया है। स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि उन्होंने यह पोस्टर पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद लगाए हैं, जहां निर्दोषों को धार्मिक आधार पर निशाना बनाया गया। उनका मानना है कि यह उनके आक्रोश की अभिव्यक्ति है और वे इस तरह से आतंकवाद और उसके सरपरस्तों के खिलाफ अपनी नफरत जाहिर कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भी शहर के रीगल चौराहे पर प्रतीकात्मक विरोध प्रदर्शन करते हुए एक अनोखा पोस्टर लगाया है। इस पोस्टर में एक राफेल विमान की आकृति बनी हुई है और उस पर लिखा है, ÷राफेल विमान युद्ध के लिए है, नींबू-मिर्ची लगाने के लिए नहीं।÷ कांग्रेस ने इसके माध्यम से

'पिग्स एंड पाकिस्तानी सिटीजंस नॉट अलाउड एट 56 दुकान'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सीधा सवाल किया है और मांग की है कि पाकिस्तान पर जवाबी हमला किया जाए। उनका कहना है कि अगर भारत ने राफेल जैसे अत्याधुनिक लड़ाकू विमान खरीदे हैं, तो उन्हें अब केवल शोभा की वस्तु न बनाकर, देश की रक्षा के लिए इस्तेमाल किया जाना चाहिए। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि देश के अंदर और बाहर बैठी आतंकी ताकतों को यह स्पष्ट संदेश देना होगा कि भारत अपनी जनता की सुरक्षा के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। साथ ही कांग्रेस नेताओं ने इस पूरे घटनाक्रम को सरकार की निष्क्रियता करार देते हुए कहा कि जनता का आक्रोश अब सड़कों पर दिखाई दे रहा है और सरकार को जल्द ही ठोस कार्रवाई करनी चाहिए। इस पूरे मामले में राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गए हैं। जहां कांग्रेस आक्रामक रूप में पाकिस्तान पर सैन्य कार्रवाई की मांग कर रही है, वहीं भाजपा समर्थक व्यापारियों और युवाओं का गुस्सा सार्वजनिक रूप से झलक रहा है। 56 दुकान का पोस्टर अब एक प्रतीक बन गया है–एक ऐसे जनमानस का जो बार-बार आतंकी हमलों से आहत होता है और जवाब की प्रतीक्षा करता है। इस घटनाक्रम ने इंदौर में राजनीतिक और सामाजिक माहौल को पूरी तरह गर्मा दिया है। एक ओर जनता की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं, तो वहीं दूसरी ओर यह भी सवाल उठ रहा है कि क्या इस तरह के उग्र प्रदर्शन, भाषा और प्रतीकों के माध्यम से वास्तव में आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता दिखाई जा सकती है या यह महज एक भावनात्मक प्रतिक्रिया है। इतना तय है कि पहलगाम हमले ने न केवल घाटी को बल्कि पूरे देश को भीतर तक झकझोर दिया है और अब उसकी गूंज इंदौर की सड़कों तक सुनाई दे रही है।

सांवेर में 32 करोड़ की लागत से बनने वाली एमआर 10 से एमआई 12 को जोड़ने वाली रोड का मंत्री सिलावट और महापौर भार्गव ने किया भूमिपूजन

23 मास्टर प्लान सड़कों के एक साथ निर्माण का इंदौर बन रहा साक्षी, कुल 450 करोड़ की लागत से हो रहे ऐतिहासिक कार्य

इंदौर। इंदौर नगर निगम के महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने विधानसभा सांवेर के वार्ड क्रमांक 19 में विशेष केंद्रीय सहायता के तहत प्रस्तावित एमआई-10 से एमआर-12 (ग्राम कुमैडीङ्कभंगिया) को जोड़ने वाली नवीन रोड के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। यह सड़क

32 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित की जा रही है। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री एवं स्थानीय विधायक तुलसीराम सिलावट, एमआईसी सदस्य राजेंद्र राठौर, अभिषेक शर्मा बबलू, पार्षद संध्या जायसवाल, निगम के अधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक मौजूद रहे।

राष्ट्रीय दुख के बीच सादगीपूर्ण शुभारंभ– महापौर भार्गव ने कार्यक्रम के प्रारंभ में हाल ही में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुई आतंकी घटना में दिवंगत नागरिकों को श्रद्धांजलि देते हुए दो मिनट का मौन रखा। उन्होंने कहा यह भूमिपूजन विकास का प्रतीक है, परंतु वर्तमान समय में जब देश शोक में है, तब हम उत्सव नहीं, बल्कि संकल्प के साथ यह शुरुआत कर रहे हैं।

450 करोड़ की लागत से मास्टर प्लान की 23 सड़कें निर्माणाधीन– महापौर ने जानकारी दी कि इंदौर शहर के मास्टर प्लान के तहत 23 प्रमुख सड़कों का निर्माण एक साथ प्रारंभ हुआ है, जिसकी कुल लागत 450 करोड़ रुपए है। उन्होंने कहा इनमें से अकेले 100 करोड़ रुपए की सड़कें सांवेर क्षेत्र में बन रही हैं। यह इंदौर के इतिहास में पहली बार है जब इतने बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे पर काम एकसाथ शुरू हुआ है।

जल संकट के स्थायी समाधान की दिशा में कदम– महापौर ने क्षेत्र में जल समस्या के स्थायी समाधान के लिए नई पानी की टंकी का टेंडर स्वीकृत होने की जानकारी दी। उन्होंने कहा इंदौर की मौजूदा जनसंख्या के अनुपात में हमारे पास पानी की आपूर्ति आधी है। आने वाले वर्षों में 900 एमएलडी पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने का लक्ष्य है, जिससे शहर की भविष्य की ज़रूरतें पूरी होंगी। साथ ही उन्होंने बताया कि नगर निगम सीमा में शामिल 29 गांवों में विकास की गति तेज़ करने के लिए बजट में 5 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। कैबिनेट मंत्री तुलसीराम सिलावट ने कहा देश आज आतंकी हमले से दुखी है, लेकिन भारत सरकार आतंकवाद के विरुद्ध कठोर निर्णय लेने में सक्षम है। विकास और सुरक्षा दोनों में सरकार पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा जो कहती है, वह करती है और इंदौर इसका सजीव उदाहरण है। मैं आपको आश्वस्त करता हूं कि विकास कार्यों के दौरान ना किसी का घर जाएगा, ना किसी की जमीन।

सांवेर को मिल रही सुविधाएं

- नवीन पुलिया व सड़कों का निर्माण
- मुक्तिधाम और सामुदायिक भवनों का विकास
- नई पानी की टंकी और संजीवनी क्लिनिक
- स्कूलों का जीर्णोद्धार व पार्क निर्माण

इन सभी कार्यों को लेकर मंत्री सिलावट और स्थानीय नागरिकों ने महापौर पुष्यमित्र भार्गव को धन्यवाद और साधुवाद दिया।

नर्मदा चौथे चरण के तहत 40 नई टंकियां बनाएगा नगर निगम, 900 करोड़ की लागत से बिछेंगी नई जल सप्लाई लाइनें

इंदौर। नगर निगम द्वारा प्रोजेक्ट अमृत-2 के तहत नर्मदा जलापूर्ति योजना के चौथे चरण के लिए 900 करोड़ रुपये के विभिन्न कार्यों का प्रस्ताव किया गया है। इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत 40 नई टंकियां बनाई जाएंगी, साथ ही कई नए क्षेत्रों में नर्मदा की जल सप्लाई लाइनें और टंकी भरने वाली लाइनें बिछाई जाएंगी। इसके अलावा, शहर की सभी टंकियों की सप्लाई लाइनों के मेंटेनेंस का काम तीन फर्मों में बांटा जाएगा।

इस कार्य के लिए नगर निगम ने टेंडर जारी कर दिए हैं।नर्मदा जल योजना के चौथे चरण के कार्यों के अंतर्गत, जलूद से नई लाइनें बिछाने के प्रस्ताव भी तैयार किए गए हैं। यह कार्य प्रोजेक्ट अमृत-2 के तहत किया जाएगा, जिसके लिए नगर निगम ने बैंक से लोन लेने का निर्णय लिया है। कार्यपालन यंत्री संजीव श्रीवास्तव के अनुसार, 900 करोड़ रुपये के इस प्रोजेक्ट के तहत 40 नई टंकियां और सैकड़ों किलोमीटर लंबी नई जल सप्लाई लाइनों का निर्माण किया जाएगा। इसके साथ ही टंकी भरने की नई लाइनों का भी निर्माण होगा, जो इंदौर के नए मानकों के अनुसार बिछाई जाएंगी। वर्तमान में नगर निगम प्रतिदिन 450 मिलियन लीटर प्रति दिन (एमएलडी) पानी सप्लाई करने का दावा करता है, लेकिन गर्मियों में कई क्षेत्रों में पानी की आपूर्ति की समस्याएं सामने आती हैं। इसके समाधान के लिए नगर निगम 300 से 400 टैंकरों के माध्यम से पानी की सप्लाई करता है, लेकिन जल संकट की शिकायतें कम नहीं हो रही हैं। श्रीवास्तव ने बताया कि वर्तमान में इंदौर शहर में 105 टंकियां हैं, जबकि 10 टंकियां निर्माणाधीन हैं, जिनका काम जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा। चौथे चरण के बाद, शहर में कुल 155 टंकियां हो जाएंगी, और इनकी मेंटेनेंस का जिम्मा नई कंपनियों को सौंपा जाएगा। इस प्रोजेक्ट के पूरा होने पर शहर को 836 एमएलडी पानी मिलने लगेगा, जबकि वर्तमान में तीन चरणों से 450 एमएलडी पानी मिल रहा है।

कोरोना काल के विरोध प्रदर्शन मामले में कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी कोर्ट में हुए पेश, वरिष्ठ नेताओं के साथ दी उपस्थिति

इंदौर। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी आज इंदौर जिला न्यायालय में एक पुराने मामले की सुनवाई के तहत पेश हुए। उनके साथ कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता भी अदालत पहुंचे और कानूनी प्रक्रिया में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। यह मामला उस समय का है जब देश कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर से जूझ रहा था और चिकित्सा व्यवस्था चरमराई हुई थी। इसी दौरान कांग्रेस नेताओं ने रीगल चौराहे पर प्रदर्शन किया था, जिसका मकसद शासन-प्रशासन को जागरूक करना और तत्काल प्रभाव से स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की मांग करना था। विरोध प्रदर्शन के बाद प्रशासन की ओर से कांग्रेस नेताओं के खिलाफ दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 188 के तहत मामला दर्ज किया गया था, जिसमें लॉकडाउन और आपदा प्रबंधन कानून के उल्लंघन का आरोप लगाया गया। चार साल पहले दर्ज हुए इस प्रकरण की सुनवाई अब जिला न्यायालय में चल रही है, जहां जीतू पटवारी सहित एक दर्जन से अधिक कांग्रेस नेताओं को आरोपी बनाया गया है। इस मामले में छोटी ग्वालटोली थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी और उसमें तत्कालीन कांग्रेस विधायक संजय शुक्ला का नाम भी शामिल किया गया था। आज की पेशी में जीतू पटवारी ने कहा कि महामारी के उस भयावह समय में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किसी राजनीतिक लाभ के लिए नहीं, बल्कि लोगों को चिकित्सा सुविधा दिलाने और प्रशासन को उसकी ज़िम्मेदारी का अहसास दिलाने के लिए प्रदर्शन किया था।

छावनी और सुभाष मार्ग सड़क चौड़ीकरण में राहतपूर्ण निर्णय, महापौर का नागरिकों ने किया सम्मान

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय महापौर पुष्यमित्र भार्गव की संवेदनशील पहल से नागरिकों को बड़ी राहत, विकास कार्यों में सहयोग के लिए रहवासियों ने जताया आभार

इंदौर। सुभाष मार्ग और छावनी क्षेत्र में सड़क चौड़ीकरण को लेकर उत्पन्न जनसरोकारों के बीच महापौर पुष्यमित्र भार्गव और विभागीय मंत्री कैलाश विजयवर्गीय द्वारा लिए गए संतुलित निर्णय से क्षेत्रवासियों को बड़ी राहत मिली है। इस निर्णय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए रहवासियों ने नगर निगम मुख्यालय पहुंचकर महापौर का पुष्पहार, सिंह मस्तक चिन्ह और अभिनंदन पत्र का वाचन भेंटकर सम्मान किया।इस अवसर पर एमआईसी सदस्य राजेंद्र राठौर मनीष शर्मा मामा पार्षद सुरेश टाकलकर सहित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

वास्तु में क्या होते हैं इंद्र, रज और यम, आखिर क्यों घर की सीढ़ियां बनाते समय रखा जाता है इनका विशेष ध्यान

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर की संरचना में दिशाओं और ऊर्जा का संतुलन अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है। यह संतुलन न केवल भवन के वातावरण को प्रभावित करता है, बल्कि वहां रहने वाले लोगों की समृद्धि, स्वास्थ्य और शांति पर भी असर डालता है। इसी संदर्भ में इंद्र, रज और यम जैसे तत्वों का घर की विभिन्न संरचनाओं पर गहरा प्रभाव पड़ता है जिनमें से घर में बनी हुई सीढ़ियों का स्थान भी विशेष महत्व रखता है। वास्तु के नियमों के अनुसार इन तीनों में से एक तत्व का स्थान घर की सीढ़ियों में रखना अत्यंत अशुभ माना जाता है जो घर में नकारात्मक प्रभाव उत्पन्न कर सकता है। इंद्र, रज और यम का वास्तु में क्या महत्व है और किन कारणों से सीढ़ियों में यम का स्थान नहीं होना चाहिए, इसकी जानकारी सभी को होनी चाहिए। जिससे घर में किसी तरह का वास्तु दोष न हो। वास्तु शास्त्र प्राचीन भारतीय विज्ञान है, जो दिशाओं, ऊर्जा और भवन निर्माण के सिद्धांतों पर आधारित है।

यह विज्ञान इस बात पर जोर देता है कि घर की संरचना, दिशाओं और स्थानों का सही संतुलन न केवल भवन की सुंदरता को बढ़ाता है, बल्कि वहां रहने वाले लोगों की समृद्धि, सुख-शांति और स्वास्थ्य को भी प्रभावित करता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, कुछ विशेष तत्व और देवता ऐसे होते हैं जिनका घर की विभिन्न दिशाओं और संरचनाओं पर गहरा प्रभाव होता है, जैसे इंद्र, रज, और यम। इनमें से यम का स्थान सीढ़ियों में रखना अत्यंत अशुभ माना जाता है। आइए वास्तु एक्सपर्ट डॉ मधु कोटिया से जानें इंद्र, रज, और यम का वास्तु शास्त्र में क्या महत्व है और किन कारणों से सीढ़ियों में यम का स्थान नहीं होना चाहिए।

वास्तु के अनुसार क्या होता है इंद्र का स्थान

इंद्र को हिंदू धर्म के देवताओं के राजा के रूप में पूजा जाता है। इन्हें शक्ति, समृद्धि और शांति का प्रतीक भी माना जाता है। वास्तु शास्त्र में इंद्र का स्थान पूर्व दिशा में होता है। पूर्व दिशा को हमेशा शुभ और सकारात्मक दिशा माना जाता है, क्योंकि यह सूर्योदय की दिशा होती है और इससे सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

ऐसा माना जाता है कि घर में इंद्र की दिशा यानी कि पूर्व दिशा में घर का मुख्य द्वार या खिड़कियां होनी चाहिए जिससे घर में सकारात्मक ऊर्जा प्रवेश कर सके। इंद्र की दिशा स्वच्छता, समृद्धि और शांति की दिशा मानी जाती है। यह दिशा घर के सदस्यों की मानसिक शांति और आर्थिक उन्नति के लिए महत्वपूर्ण मानी जाती है।

सीढ़ियों में इंद्र का स्थान क्यों नहीं रखना चाहिए?

सीढ़ियों को वास्तु शास्त्र में एक महत्वपूर्ण संरचना माना गया है, क्योंकि इनसे घर के विभिन्न हिस्सों में ऊर्जा का प्रवाह होता है।

इंद्र की दिशा पूर्व में होने के कारण यदि सीढ़ियों को इस स्थान पर रखा जाए तो घर की समृद्धि और शांति बाधित हो सकती है। सीढ़ियों को हमेशा उस दिशा में रखा जाना चाहिए जो स्थिरता और स्थायित्व का प्रतीक हो, जबकि इंद्र की ऊर्जा का स्थान किसी अन्य हिस्से में होना चाहिए जो समृद्धि को प्रोत्साहित करे।

वास्तु के अनुसार क्या होता है रज का स्थान?

रज शब्द संस्कृत के 'राजस' से लिया गया है, जिसका अर्थ होता है परिवर्तन, गति और क्रियाशीलता। वास्तु शास्त्र में रज को घर की गतिविधियों, जीवनशैली और गतिशीलता से जोड़ा जाता है। यह ऊर्जा घर के सदस्यों की गतिविधियों को नियंत्रित करती है और उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। रज का स्थान ऊर्जा का सही संतुलन घर के सामंजस्य और प्रगति को बनाए रखने में सहायक होता है। रज का स्थान घर के उन हिस्सों में होना चाहिए जहां घर के लोग सबसे ज्यादा समय बिताते हैं जैसे कि घर का लिविंग रूम। रज ऊर्जा क्रियाशीलता और बदलाव का प्रतीक है, जिससे घर में नवीनता और तरक्की की भावना बनी रहती है।

सीढ़ियों में रज का स्थान क्यों नहीं रखना चाहिए?

सीढ़ियां घर में स्थिरता और सामंजस्य का प्रतीक होती हैं, जबकि रज ऊर्जा परिवर्तन और गति को बढ़ावा देती है। यदि सीढ़ियों में रज ऊर्जा का स्थान होता है, तो घर में असंतुलन और बेचैनी उत्पन्न हो सकती है। इससे घर के सदस्यों में मानसिक अस्थिरता और असंतोष का भाव बढ़ सकता है। इसलिए, वास्तु शास्त्र में सीढ़ियों में रज का स्थान रखना भी अनुकूल नहीं माना गया है।

क्या होता है वास्तु में यम का स्थान?

यम यानी यमराज को हिंदू धर्म में मृत्यु और अनुशासन के देवता माना जाता है। इन्हें न्याय और अनुशासन का प्रतीक भी माना जाता है। वास्तु शास्त्र में यम का स्थान दक्षिण दिशा में होता है जो नकारात्मक ऊर्जा, अवरोध और समस्याओं से जुड़ी मानी जाती है। यम का संबंध न केवल मृत्यु से होता है, बल्कि जीवन के कठोर सत्य और अनुशासन से भी जुड़ा होता है। दक्षिण दिशा यम की दिशा मानी जाती है और इस दिशा को मुख्य द्वार, खिड़कियां, या सीढ़ियों के लिए उपयुक्त नहीं माना जाता। यम की ऊर्जा का प्रभाव घर के सदस्यों पर मानसिक, शारीरिक और आर्थिक दृष्टि से प्रतिकूल हो सकता है। यह दिशा बाधाओं और संघर्षों को जन्म दे सकती है, जिससे घर में अशांति और नकारात्मकता का प्रवेश हो सकता है।

आखिर क्यों यम के स्थान पर नहीं बनाई जाती हैं सीढ़ियां?

- वास्तु शास्त्र के अनुसार, सीढ़ियों में यम का स्थान रखना अत्यंत अशुभ माना जाता है। सीढ़ियों का स्थान घर में महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि यह उन संरचनाओं में से एक है जहां से घर के विभिन्न हिस्सों में ऊर्जा का प्रवाह होता है। यम की ऊर्जा, जो मृत्यु और अनुशासन का प्रतीक मानी जाती है, अगर सीढ़ियों में होती है, तो यह घर में नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है। आप घर के अन्य स्थानों पर भले ही सीढ़ियां बना लें, लेकिन आपको भूलकर भी यम के स्थान पर सीढ़ियां नहीं बनानी चाहिए। ऐसा माना जाता है सीढ़ियां घर में ऊपर और नीचे के हिस्सों को जोड़ती हैं, जो ऊर्जा के प्रवाह को नियंत्रित करती हैं।
- अगर सीढ़ियों में यम का स्थान रखा जाए, तो घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश हो सकता है। इससे घर के सदस्यों के जीवन में अवरोध, समस्याएं, और संघर्ष बढ़ सकते हैं। यम का संबंध मृत्यु और अनुशासन से होता है, जो जीवन में कठिनाइयां और बाधाएं उत्पन्न कर सकता है। यदि यम की ऊर्जा सीढ़ियों में होती है, तो घर के सदस्यों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। यह वास्तु दोष मानसिक तनाव, शारीरिक समस्याओं और दीर्घकालिक रोगों को जन्म दे सकता है।
- यम की दिशा में सीढ़ियां रखने से आर्थिक स्थिरता में कमी आ सकती है। यह वास्तु दोष घर के सदस्यों की आर्थिक स्थिति पर बुरा असर डाल सकता है, जिससे घर में धन की हानि और आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

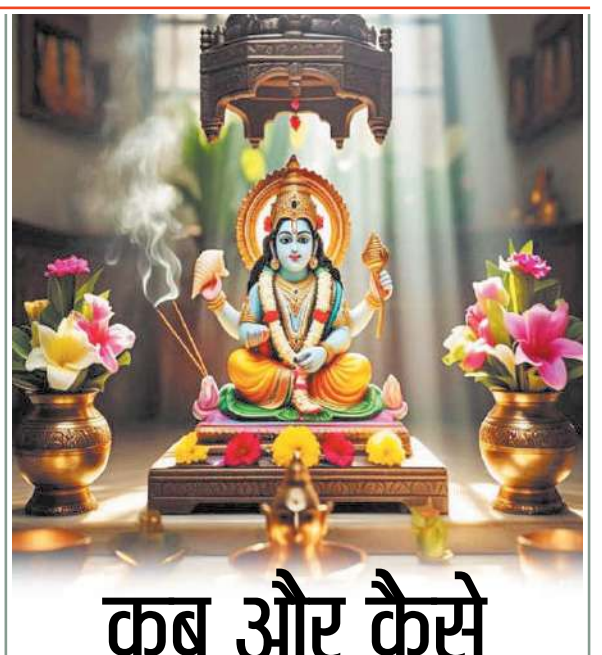

कब और कैसे करना चाहिए विष्णु चालीसा का पाठ

भगवान विष्णु की पूजा से न सिर्फ घर में सुख-समृद्धि आती है बल्कि घर में मां लक्ष्मी का वास भी स्थापित होता है। ऐसे में भगवान विष्णु की पूजा करने के माध्यम हैं। आप भगवान विष्णु के नाम का जाप कर सकते हैं, उनके मंत्रों का उच्चारण कर सकते हैं या फिर उनके स्तोत्र का पाठ कर सकते हैं, लेकिन इन सबसे कहीं ज्यादा शीघ्र फलदायी माना जाता है उनकी चालीसा का पाठ। ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स ने हमें बताया कि विष्णु चालीसा का पाठ यूं तो कभी भी कर सकते हैं लेकिन गुरुवार के दिन शाम के समय आसन पर बैठकर जल से संकल्प लेते हुए भगवान विष्णु का ध्यान करने के बाद विष्णु चालीसा का पाठ शुरू करने से जीवन के संकटों का नाश होता है। श्री हरि नारायण का सानिध्य प्राप्त होता है और घर की आर्थिक स्थिति में भी सुधार होने लग जाता है।

दोहा

विष्णु सुनिए विनय सेवक की चितलाय ।
कीरत कुछ वर्णन करूं दीजै ज्ञान बताय ॥

विष्णु चालीसा

नमो विष्णु भगवान खरारी, कष्ट नशावन अखिल बिहारी ।
प्रबल जगत में शक्ति तुम्हारी, त्रिभुवन फैल रही उजियारी ॥
सुन्दर रूप मनोहर सूरत, सरल स्वभाव मोहनी मूरत ।
तन पर पीताम्बर अति सोहत, बैजन्ती माला मन मोहत ॥
शंख चक्र कर गदा विराजे, देखत दैत्य असुर दल भाजे ।
सत्य धर्म मद लोभ न गाजे, काम क्रोध मद लोभ न छाजे ॥
सन्तभक्त सज्जन मनरंजन, दनुज असुर दुष्टन दल गंजन ।
सुख उपजाय कष्ट सब भंजन, दोष मिटाय करत जन सज्जन ॥
पाप काट भव सिन्धु उतारण, कष्ट नाशकर भक्त उबारण ।
करत अनेक रूप प्रभु धारण, केवल आप भक्ति के कारण ॥
धरणि धेनु बन तुमहिं पुकारा, तब तुम रूप राम का धारा ।
भार उतार असुर दल मारा, रावण आदिक को संहारा ॥
आप वाराह रूप बनाया, हिरण्याक्ष को मार गिराया ।
धर मत्स्य तन सिन्धु बनाया, चौदह रतनन को निकलाया ॥
अमिलख असुरन द्वन्द मचाया, रूप मोहनी आप दिखाया ।
देवन को अमृत पान कराया, असुरन को छवि से बहलाया ॥
कूर्म रूप धर सिन्धु मझाया, मन्द्राचल गिरि तुरत उठाया ।
शंकर का तुम फन्द छुड़ाया, भस्मासुर को रूप दिखाया ॥
वेदन को जब असुर डुबाया, कर प्रबन्ध उन्हें ढुढवाया ।
मोहित बनकर खलहि नचाया, उसही कर से भस्म कराया ॥
असुर जलन्धर अति बलदाई, शंकर से उन कीन्ह लड़ाई ।
हार पार शिव सकल बनाई, कीन सती से छल खल जाई ॥
सुमिरन कीन तुम्हें शिवरानी, बतलाई सब विपत कहानी ।
तब तुम बने मुनीश्वर ज्ञानी, वृन्दा की सब सुरति भुलानी ॥
देखत तीन दनुज शैतानी, वृन्दा आय तुम्हें लपटानी ।
हो स्पर्श धर्म क्षति मानी, हना असुर उर शिव शैतानी ॥
तुमने ध्रुव प्रहलाद उबारे, हिरणाकुश आदिक खल मारे ।
गणिका और अजामिल तारे, बहुत भक्त भव सिन्धु उतारे ॥
हरहु सकल संताप हमारे, कृपा करहु हरि सिरजन हारे ।
देखहुं मैं निज दरश तुम्हारे, दीन बन्धु भक्तन हितकारे ॥
चाहता आपका सेवक दर्शन, करहु दया अपनी मधुसूदन ।
जानूं नहीं योग्य जब पूजन, होय यज्ञ स्तुति अनुमोदन ॥
शीलदया सन्तोष सुलक्षण, विदित नहीं व्रतबोध विलक्षण ।
करहुं आपका किस विधि पूजन, कुमति विलोक होत दुख भीषण ॥
करहुं प्रणाम कौन विधिसुमिरण, कौन भांति मैं करहु समर्पण ।
सुर मुनि करत सदा सेवकाई, हर्षित रहत परम गति पाई ॥
दीन दुखिन पर सदा सहाई, निज जन जान लेव अपनाई ।
पाप दोष संताप नशाओ, भव बन्धन से मुक्त कराओ ॥
सुत सम्पति दे सुख उपजाओ, निज चरनन का दास बनाओ ।
निगम सदा ये विनय सुनावै, पढ़ै सुनै सो जन सुख पावै ॥

॥ इति श्री विष्णु चालीसा ॥

में ऑस्ट्रेलिया को बोलैंड की जगह इस अनुभवी को चुनना चाहिए: रवि शास्त्री

दुबई, एजेंसी। भारत के पूर्व क्रिकेटर और कोच रवि शास्त्री ने कहा कि जून में लॉर्ड्स मैदान पर खेले जाने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को स्कॉट बोलैंड की जगह अनुभवी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड को चुनना चाहिए क्योंकि दिग्गज ग्लेन मैकग्रा की तरह गेंदबाजी करने वाला यह लंबे कद का खिलाड़ी इंग्लैंड की परिस्थितियों का बेहतर तरीके से उपयोग कर पाएगा। टीम में तेज गेंदबाजी विभाग में कप्तान पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क की जगह लगभग पक्की है।

ये दोनों अगर फिट रहे तो तीसरे तेज गेंदबाज के नाम के लिए चर्चा हो सकती है। गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के सामने 11 से 15 जून तक लॉर्ड्स में खेले जाने वाले डब्ल्यूटीसी फाइनल में दक्षिण अफ्रीका की चुनौती होगी। इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के तीन तेज गेंदबाजों और नाथन लियोन के रूप में एक स्पिनर के साथ उतरने की संभावना है। ऑस्ट्रेलिया के पास हरफनमौला बीयू वेबस्टर को एकादश में शामिल करने का विकल्प भी है, तीसरे तेज गेंदबाज के लिए हेजलवुड और बोलैंड के बीच चयन होने की संभावना है। शास्त्री ने 'आईसीसी रिव्यू पर कहा, 'यह बहुत कठिन विकल्प होगा, अगर हेजलवुड फिट होते हैं, तो उन्हें बोलैंड के मुकाबले तरजीह मिलनी चाहिए। हेजलवुड अपने करियर में कई बार चोटिल होने के कारण टीम से बाहर रहे है। वह चोट के कारण भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर खेली गयी बॉर्डर गावस्कर श्रृंखला के पांच मैचों में से तीन में नहीं खेल पाए थे। ऑस्ट्रेलिया ने इस श्रृंखला को 3-1 से जीता था। वह इसके बाद श्रीलंका दौरे और चैंपियंस ट्रॉफी में भी टीम का हिस्सा नहीं थे। इस 34 साल के खिलाड़ी ने इंडियन प्रीमियर लीग में वापसी की और शानदार लय में है। उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ चार विकेट झटक कर टीम को यादगार जीत दिलाई। शास्त्री ने कहा, 'हेजलवुड अगर पूरी तरह से फिट है तो दो वजहों से उन्हें टीम में जगह मिलनी चाहिए।

पहला इंग्लैंड की परिस्थितियां उन्हें रास आएंगी और दूसरा उनके पास मैकग्रा की तरह गेंदबाजी (एक ही लाइन लेंथ की गेंद से बल्लेबाजों को परेशान करना) करने की क्षमता है। लॉर्ड्स की पिच पर एक तरफ से ढलान है और कमेंट्री बॉक्स वाले छोर से गेंदबाजी करते समय में हमें मैक्ग्रा का रिकॉर्ड देखना चाहिए।

मैक्ग्रा ने लॉर्ड्स में तीन टेस्ट में 26 विकेट लिए है जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 1997 में 38 रन देकर 8 विकेट लिए है। शास्त्री ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो वह (मैक्ग्रा) गेंद को दोनों ओर स्विंग करते हुए घातक साबित होते थे और मुझे लगता है कि हेजलवुड अपनी कद के साथ कुछ ऐसा ही कर सकते हैं।

उन्होंने कहा, 'यह पिच ऑस्ट्रेलिया की तरह तेज नहीं हैं, इसलिए आपको थोड़ी अतिरिक्त ऊंचाई और उछाल की जरूरत होती है। हेजलवुड के पास स्कॉट बोलैंड के मुकाबले ऐसा करने की अधिक क्षमता है। मैं हालांकि स्कॉट बोलैंड का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं।

42 गेंदों में हुआ दूध का दूध और पानी का पानी

नजर आया विराट कोहली और बाबर आजम के बीच का फर्क

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट में बल्लेबाज को आउट करना हो तो उसके लिए एक गेंद काफी होती है. मैच में जीत और हार के बीच भी 1 गेंद बहुत फर्क डाल सकती है. लेकिन, विराट कोहली और बाबर आजम के बीच का फर्क एक नहीं 42 गेंदें ने बताया है. भारत-पाकिस्तान के दो स्टार बल्लेबाजों के बीच दूध का दूध और पानी का पानी करने वाली ये वो 42 गेंदें रहीं, जो एक ही दिन पर, एक ही तरह के फॉर्मेट वाले मैच में, दोनों को डाली गईं. उसके बाद जो रिजल्ट नजर आया, उसने बता दिया कि विराट कहां हैं और बाबर कहां?

दिन था 24 अप्रैल का और फॉर्मेट था टी20 का. फर्क बस सिर्फ इतना था कि विराट कोहली इधर भारत में आईपीएल खेल रहे थे और बाबर आजम उधर पाकिस्तान में पीएसएल.मगर एक-दूसरे काफी दूर खेल रहे होने के बावजूद संयोग देखिए की अपने-अपने मैच में दोनों ने एक बराबर गेंदों का ही सामना किया. इधर भारत में राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच मैच में विराट कोहली ने 42 गेंदें खेली और उधर पाकिस्तान में पेशावर जाल्मी और लाहौर कलंदर्स के बीच खेले मैच में बाबर आजम ने भी 42 गेंदों का ही सामना किया.

विराट और बाबर के बीच क्या फर्क नजर आया?

अब 24 अप्रैल को खेले मैच में 42-42 गेंदें खेलने के बाद विराट कोहली और बाबर आजम के बीच जो फर्क नजर आया, वो जानिए. आईपीएल में राजस्थान के खिलाफ खेले मैच में विराट कोहली ने 42 गेंदों पर बनाए 70 रन. वहीं पीएसएल में बाबर आजम ने 42 गेंदों का सामना कर 56 रन ही बनाए. विराट कोहली का स्ट्राइक रेट 166.66 का रहा, जबकि बाबर आजम का 133.33 का. विराट ने 42 गेंदों की अपनी इनिंग में जहां 8 चौके और 2 छक्के लगाए. वहीं बाबर आजम ने 7 चौके और 1 छक्का ही लगाया. साफ है कि विराट रन, स्ट्राइक रेट और बाउंड्रीज की संख्या, हर मामले में बाबर आजम से आगे दिखे हैं. ऐसा तब है जब विराट कोहली टी-20 इंटरनेशनल से संन्यास ले चुके हैं और बाबर आजम उस फॉर्मेट को अभी खेल रहे हैं. एक मैच का ये नतीजा उन लोगों के लिए भी जवाब की तरह है, जो बाबर को विराट से बेहतर बताने की कोशिश करते रहते हैं.

पाकिस्तानी क्रिकेटर का बड़ा बयान

पहलगाम में आतंकी हमला मेरे देश ने ही कराया है

नई दिल्ली, एजेंसी। पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर रह-रहकर डेवलपमेंट हो रहे हैं. बयानों का सिलसिला भी लगातार जारी है. इस बीच पाकिस्तानी क्रिकेटर दानिश कानेरिया ने एक चौंकाने वाला बयान दिया है. उन्होंने कहा कि ये तो मेरे देश ने खुलेआम मान लिया कि पहलगाम में आतंकी हमला उन्होंने ही कराया है. अब सवाल है कि पाकिस्तान के हिंदू क्रिकेटर दानिश ने ऐसा क्यों कहा? तो उन्होंने ऐसा पाकिस्तान के डिप्टी पीएम के बयान पर अपनी प्रतिक्रिया जताते हुए कहा है.

पाकिस्तान के डिप्टी पीएम ने पहलगाम हमले में शामिल आतंकियों को 'स्वतंत्रता सेनानी' कहकर संबोधित किया था. डिप्टी पीएम के उसी बयान पर पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर दानिश कानेरिया ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा कि जब पाकिस्तान का डिप्टी पीएम ही आतंकियों को 'स्वतंत्रता सेनानी' बता रहा हो तो ये सिर्फ अपमानजनक नहीं है बल्कि ये मान लेने जैसा भी है कि हमला हमारे देश ने ही कराया है.

पाकिस्तान सरकार पर पहलगाम को लेकर पहले भी साध चुके निशाना

श्रीराम भक्त हिंदू क्रिकेटर दानिश कानेरिया ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले के अगले दिन भी अपने देश की सरकार और उसके इरादे पर सवाल उठाए थे. तब उन्होंने एक्स हैंडल पर लिखा था कि अगर वाकई पाकिस्तान का पहलगाम में हुए आतंकी हमले में हाथ नहीं तो फिर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने उस पर चिंता जाहिर क्यों नहीं की? क्यों अचानक ही सेना को हाई अलर्ट पर रहने कहा गया? साफ है कि आपको सच पता है. आप आतंकियों को पनाह दे रहे हो और आतंकवाद को बढ़ावा दे रहे हो. ऐसा करते हुए शर्म आनी चाहिए. दानिश कानेरिया ने पाकिस्तान के लिए 61 टेस्ट और 18 वनडे खेले हैं, जिसमें 276 विकेट अपने नाम किए हैं.

नेटफ्लिक्स पर अब देखिए सैफ की 'नादानियां'

बाईगॉड की कसम, बहुत कलेजा चाहिए, नेटफ्लिक्स ओरिजनल 'ज्वेलथीफ द हाइस्ट बिगिन्स' जैसी फिल्म बनाने के लिए। झोली में 'वॉर' और 'पठान' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में हो। 'फाइटर' में ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण को एक फ्रेम में लाने का तमगा मिल चुका हो।

शाहरुख खान की अगली फिल्म 'किंग' की जिम्मेदारी मिली हुई हो और कंपनी का नाम हो, मारफ्लिक्स। नेटफ्लिक्स की बहन जैसा नाम लगता है। लेकिन, निर्माता सिद्धार्थ आनंद बतौर निर्देशक हिंदी सिनेमा को 'बैंग बैंग' जैसा बबल भी दे चुके हैं, ये भूलना नहीं चाहिए। भारतीय मनोरंजन जगत के कलाकारों के इन दिनों दोनों हाथों में लड्डू हैं। एक में अमेरिकन एमजीएम स्टूडियोज के लिए अमेजन जैसी कंपनी मोतीचूर के लड्डू चढ़ा रही है, दूसरे हाथ में बूंदी के लड्डू लेकर हाजिर है नेटफ्लिक्स। वहां का 'फैमिली मैन' यहां 'किलर सूप' बनाता मिलता है। यहां आलीशान 'स्कूप' बनाने वाला वहां 'खौफ' जैसी कम बजट की एमएक्स प्लेयर सीरीज बनाता दिखता है। अब बारी हाथीराम की है।

उनको भी अपना स्टैंडर्ड बढ़ाना है।

खराब फिल्म बनाने की हिट रेसिपी

एक खराब फिल्म बनाने के लिए क्या क्या जरूरी होता है, वह सब एक दर्शक निर्माता सिद्धार्थ आनंद की नेटफ्लिक्स पर पहुंची फिल्म 'ज्वेलथीफ द हाइस्ट बिगिन्स' देखकर सीख सकता है। मतलब कि किरदार सरदार हो तो उसका मोटा होना जरूरी है। चोर है तो वह अय्याश भी होना चाहिए। 'डेयरडेविल' के फिस्क जैसा विलेन हो तो उसे मुक्के मारकर सामने वाले की जान ले ही लेनी चाहिए। और, लड़की अगर खूबसूरत है तो उसका कमअक्ल का होना भी जरूरी है। इतने क्लीशे किरदार फिल्म शुरू होने के पहले 15 मिनट में अगर दिख जाएं तो फिल्म कहां पहुंचने वाली है, समझ आ जाता है। लेकिन, रिव्यू लिखना है तो अभी जीवन के पौने दो घंटे और कुर्बान करने ही होंगे। 54 साल का हीरो, 34 साल की शादी शुदा हीरोइन पर डोरे डाल रहा है।

भूल चूक माफ का नया सॉन्ग चोर बजारी फिर से हुआ रिलीज, रोमांस करते दिखे राजकुमार-वामिका

राजकुमार राव की अपकमिंग फिल्म भूल चूक माफ का नया गाना चोर बजारी फिर से रिलीज हो चुका है। गाने में राजकुमार और वामिका गब्बी रोमांस करते नजर आ रहे हैं। यह गाना सैफ अली खान की फिल्म लव आज कल के सॉन्ग चोर बजारी का रीमेक है, जिसमें वह दीपिका पादुकोण के साथ नजर आए थे। यही वजह है कि इस गाने को देखने के बाद फैंस को सैफ-दीपिका की जोड़ी याद आने लगी। भूल चूक माफ 9 मई को थिएटरों में रिलीज होगी। फिल्म में राजकुमार रंजन तिवारी और वामिका गब्बी तितली मिश्रा के किरदार में हैं। दोनों की केमिस्ट्री देखने लायक है। फिल्म के चोर बजारी फिर से सॉन्ग में भी दोनों का रोमांस और मस्ती देखने को मिल रही है। इस गाने को सुनिधि चौहान और नीरज श्रीधर ने गाया है। वहीं, कंपोज प्रीतम और तनिष्क बागची ने किया है। सॉन्ग को लेकर राजकुमार ने कहा, चोर बजारी फिर से एक बेहतरीन गाना है! यह रंजन और तितली के बीच की केमिस्ट्री को बड़ी ही खूबसूरती के साथ दिखाता है। इस गाने की शूटिंग मजेदार रही। मैं म्यूजिक के साथ दर्शकों की एनर्जी और वाइब से भरे फीडबैक का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। एक्ट्रेस वामिका गब्बी ने कहा, चोर बजारी फिर से एक बेहतरीन गाना है!

मेधा पाटकर गिरफ्तार, वीके सक्सेना मानहानि केस में ऐक्शन

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली के एलजी वीके सक्सेना की मानहानि केस में दिल्ली पुलिस ने सोशल एक्टिविस्ट मेधा पाटकर को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। दो दिन पहले ही दिल्ली की साकेत कोर्ट ने उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया था। डीसीपी (साउथ ईस्ट) रवि कुमार सिंह ने मेधा पाटकर की गिरफ्तारी की पुष्टि की है। उन्हें आज कोर्ट में पेश किया जाएगा।

एक पुलिस अधिकारी ने कहा, मेधा पाटकर को शुक्रवार सुबह निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया गया। दोपहर में उन्हें अदालत में पेश किया जाएगा।

साकेत जिला कोर्ट के एडिशनल सेशंस जज (एएसजे) विशाल सिंह ने 23 अप्रैल को मेधा पाटकर के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया था। वह वी.के. सक्सेना द्वारा दायर मानहानि के मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद प्रोबेशन पर रिहा होने की शर्तों 25,000 रुपये का बॉन्ड जमा करने और 1 लाख रुपये का मुआवजा देने में विफल रही थीं। उन्हें मई 2024 में पांच महीने की कैद और जुर्माना की सजा सुनाई गई थी।

एएसजे विशाल सिंह ने 8 अप्रैल को जारी आदेश के क्रियान्वयन को स्थगित करने की मांग करने वाली पाटकर की याचिका खारिज कर दी थी, जिसमें उन्हें निर्देश दिया गया था कि शर्तों को 23 अप्रैल तक पूरा किया जाए।

जज ने मेधा पाटकर की याचिका को ओछी और शरारतपूर्ण तथा अदालत को धोखा देने वाला बताते हुए कहा था कि सजा के आदेश का पालन करने के लिए अदालत में उपस्थित होने के बजाय, दोषी अनुपस्थित रहा और जानबूझकर आदेश का पालन करने में विफल रही। दिल्ली पुलिस

कमिश्नर के माध्यम से वारंट जारी करते हुए अदालत ने कहा कि यदि पाटकर अगली सुनवाई तक उसके पिछले आदेश का पालन करने में विफल रहीं तो अदालत को उनकी सजा पर पुनर्विचार करने तथा सजा संबंधी अपने आदेश में बदलाव करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

वीके सक्सेना ने नेशनल काउंसिल ऑफ सिविल लिबर्टीज के अध्यक्ष के रूप में मेधा पाटकर के खिलाफ 24 नवंबर 2000 को जारी उनकी मानहानिकारक प्रेस रिलीज के लिए मामला दर्ज कराया था। पिछले साल 24 मई को मजिस्ट्रेट कोर्ट ने कहा था कि पाटकर ने अपने बयान में सक्सेना को 'कायर' कहा था तथा हवाला लेन-देन में उनकी संलिप्तता का आरोप लगाया था, जो न केवल मानहानिकारक थे, बल्कि उनके बारे में नकारात्मक धारणा को भड़काने के लिए गढ़े गए थे।

दिल्ली के चांदनी चौक, सदर बाजार में सड़कों पर उतर आए हजारों व्यापारी; लाल किले तक मार्च

नईदिल्ली, एजेंसी।
जम्मू-कश्मीर के पहलगाम हमले से अभी भी पूरा देश सदमे में है। आंतकियों के इस कायराना हमले ने 26 निर्दोष जिंदगियों को निगल लिया और अब देश को चाहिए तो सिर्फ आतंकियों के खिलाफ ठोस कार्रवाई। इस बीच दिल्ली के चांदन चौक और सदर बाजार के हजारों व्यापारी सड़कों पर उतर आए हैं। वह पुलवामा हमले में सरकार से ठोस कदम उठाने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि अब पाकिस्तान के साथ कोई व्यापार नहीं करेंगे।

जानकारी के मुताबिक पहलगाम आतंकी हमले से दिल्ली के व्यापारियों में भारी आक्रोश है। वह सिर्फ ठोस कदम उठाने की मांग कर रहे हैं। सदर बाजार, भागीरथ प्लेस, गांधीनगर, नया बाजार, खारी बावली, चावड़ी बाजार, चांदनी चौक, जामा मस्जिद और हौज काजी समेत 100 से अधिक बाजार संघ बंद में भाग ले रहे हैं। कपड़ा, मसाले, बर्तन और सराफा जैसे क्षेत्रों के विभिन्न व्यापारी संघ भी बंद में शामिल हुए।

वहीं चांदनी और सदर बाजार में कई व्यापारी इकट्ठा हुए हैं और लाल किले तक मार्च कर रहे हैं। व्यापारियो ने कहा,

हम चाहते हैं कि आतंकियों के खिलाफ सख्त ऐक्शन लिया जाए और इसके लिए व्यापारी तन-मन धन से सरकार के साथ हैं। व्यापारी संघ के एक सदस्य ने बताया कि दिल्ली के सबसे प्रमुख बाजारों में शामिल सदर बाजार शुक्रवार को वीरान नजर आया जहां आमतौर पर चहल-पहल रहती है। बंद की वजह से बाजार में सब्जी विक्रेता भी नहीं आए। बाजार संघ द्वारा जारी एक बयान में बताया गया कि गांधीनगर स्थित एशिया का सबसे बड़ा थोक रेडीमेड कपड़ा बाजार पूरी तरह बंद रहा। बयान में कहा गया,''बंद का उद्देश्य आतंकवादी हमले में मारे गए पर्यटकों के लिए न्याय की मांग करना और आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता का प्रदर्शन करना है। इससे पहले गुरुवार को 'चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री' (सीटीआई) ने बंद का आह्वान किया था।

पश्चिमी दिल्ली के कुछ इलाके में 2 दिन नहीं आएगा पानी, डीजेबी ने बताई किल्लत की वजह

नईदिल्ली, एजेंसी।
पश्चिमी दिल्ली के कुछ इलाके में रहने वाले लोगों को दो दिन पानी की किल्लत का सामना करना पड़ेगा। दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) ने बताया है कि 25 और 26 अप्रैल को पानी की सप्लाई बाधित रहेगी। ऐसे में प्रभावित इलाके में रहने वाले लोगों से पानी के विवेकपूर्ण इस्तेमाल करने का अनुरोध किया गया है। साथ ही उनसे जरूरत अनुसार पानी स्टोर करके रखने की अपील की गई है।

जल बोर्ड ने बताया की पानी की सप्लाई में आए व्यवधान की वजह सादिक नगर के पास एक प्रमुख पाइपलाइन पर चल रहा मरम्मत कार्य है। डीजेबी द्वारा जारी एक सार्वजनिक नोटिस के अनुसार, चिराग दिल्ली, खिड़की एक्सटेंशन, पंचशील विहार, साकेत और आस-पास के इलाकों में पानी की आपूर्ति प्रभावित होगी। इन इलाकों में 25 और 26 अपऐल को पानी की आपूर्ति नहीं होगी। डीजेबी ने निवासियों को किसी भी

असुविधा से बचने के लिए पहले से ही पर्याप्त पानी जमा करने की सलाह दी है। नोटिस में कहा गया है, बंद के दौरान, अनुरोध पर पानी के टैंकर उपलब्ध कराए जाएंगे। लोग दिए गए आपातकालीन नंबरों या टोल-फ्री हेल्पलाइन के माध्यम से डीजेबी से संपर्क कर सकते हैं।

इससे पहले, 21 अप्रैल को, दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के कई हिस्सों में द्वारका वाटर ट्रीटमेंट प्लांट से 1,000 मिमी फीडर लाइन पर रखरखाव और इंटरकनेक्शन कार्य के कारण पानी की आपूर्ति बाधित हुई थी। यशोभूमि द्वारका, भरथल गांव, धूलसिरस, बामनोली और आसपास के इलाकों में सुबह 10 बजे से 12 घंटे तक सप्लाई ठप रही थी। इसके अलावा, उद्योग नगर, पश्चिम विहार, विकास नगर, उत्तम नगर, चंचल पार्क और अन्य पड़ोसी कॉलोनियों सहित पश्चिमी दिल्ली के कुछ हिस्सों में दोपहर 3 बजे से रात 8 बजे तक पानी उपलब्ध नहीं था।

पहलगाम पर सवाल पूछ रहा था पाक पत्रकार, अमेरिकी प्रवक्ता ने किया नजरअंदाज, बोलीं- हम भारत के साथ

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने शुक्रवार को एक प्रेस वार्ता के दौरान एक पाकिस्तानी पत्रकार की बोलती बंद कर दी। पत्रकार ने उनसे जम्मू एवं कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा तनाव को लेकर सवाल किया था। इस पर प्रवक्ता ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने स्पष्ट किया है कि अमेरिका भारत के साथ खड़ा है और सभी प्रकार के आतंकवाद की कड़ी निंदा करता है। विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने कहा, हम इस पर कोई भी टिप्पणी नहीं करने वाले हैं, हम किसी दूसरे मुद्दे पर आपसे बात करने के लिए आएंगे। इस स्थिति पर तो कुछ नहीं बोलेंगे। राष्ट्रपति और सेकरेट्री ने पहले ही काफी कुछ कह दिया है, हमारा रुख स्पष्ट है। बिना नाम लिए टैमी ब्रूस ने पाक आतंकियों के खिलाफ कड़े एक्शन की बात कर दी है। उन्होंने कहा कि अमेरिका उन लोगों के लिए प्रार्थना करता है जिन्होंने आतंकवादी हमले में अपनी जान गंवाई और घायलों के ठीक होने के लिए

प्रार्थना करता है। पहलगाम में आतंकवादी हमले पर ब्रूस ने कहा, जैसा कि राष्ट्रपति ट्रंप और सचिव रूबियो ने स्पष्ट किया है, अमेरिका भारत के साथ खड़ा है, आतंकवाद के सभी कृत्यों की कड़ी निंदा करता है। हम मारे गए लोगों के जीवन के लिए प्रार्थना करते हैं और घायलों के ठीक होने के लिए प्रार्थना करते हैं और इस जघन्य कृत्य के अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने का आह्वान करते हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आतंकवादी हमले के पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त करने के लिए फोन किया था। पीएम मोदी ने ट्रंप को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि भारत इस कायरतापूर्ण और जघन्य आतंकवादी हमले के अपराधियों और समर्थकों को न्याय के कठघरे में लाने के लिए दृढ़ संकल्पित है। 22 अप्रैल को, आतंकवादियों ने दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल बैसरन, जिसे मिनी स्विट्जरलैंड के रूप में जाना जाता है, में 26 लोगों की हत्या कर दी थी। इस आतंकी हमले के बाद पहली सार्वजनिक सभा में प्रधानमंत्री ने आतंकियों को मिट्टी में मिलाने का संकल्प लिया था। बिहार के मधुबनी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कसम खाई कि भारत पहलगाम नरसंहार में शामिल हर आतंकवादी और उनके समर्थकों की पहचान करेगा, उनका पता लगाएगा और उन्हें दंडित करेगा।

भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव पर संयुक्त राष्ट्र की नजर, कहा- दोनों देशों से संयम बरतने की अपील

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव पर संयुक्त राष्ट्र संघ की नजर है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस स्थिति को लेकर चिंतित हैं और बारीकी से नजर रख रहे हैं। गुटेरेस के प्रवक्ता ने कहा कि उन्होंने दोनों देशों से संयम बरतने की अपील की है। ताकि हालात और न बिगड़ें। गुटेरेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि हम दो दिन पहले 22 अप्रैल को जम्मू और कश्मीर में हुए आतंकी हमले की निंदा करते हैं। हालांकि गुटेरेस ने भारत-पाकिस्तान सरकारों से कोई सीधा संपर्क नहीं किया है, लेकिन मैं वह स्पष्ट रूप से स्थिति पर बहुत बारीकी और बड़ी चिंता के साथ नजर रख रहे हैं।